पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) : (क) केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानीटरी कार्य क्रम के तहत देश में परिवेशी वायु गुणवत्ता के सर्वेक्षण की मानीटरी कर रहा है जिसमें चार महानगर अर्थात दिल्ली, मद्रास, कलकत्ता और बम्बई शामिल हैं । सर्वेक्षित प्रमुख वायु गुणवत्ता पैरामीटरों में निलंबित धूलकण, नाइट्रोजन डाईआक्साइड और सल्फर डाईआक्साइड शामिल हैं । तथापि, भिन्न-भिन्न प्रदूषण पैरामीटरों के लिए कोई पारस्परिक वैटेज नहीं है जिससे नगरों का प्रदूषण वर्गीकरण किया जा सके ।

(ख) सर्वेक्षण से पता चला है कि परिवेशी वायु में निलंबित धूलकण के वार्षिक औसत सांद्रण का स्तर दिल्ली में अधिकतम है ।

(ग) राष्ट्रीय पर्यावरणीय इंजीनियरी अनुसंधान संस्थान दस प्रमुख शहरों अर्थात् दिल्ली, बम्बई, कलकत्ता, मद्रास, कानपुर, अहमदाबाद, हैदराबाद, जयपुर, नागपुर और कोचीन में इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में वायु गुणवत्ता मानीटरी स्टेशनों का एक नेटवर्क संचालित कर रहा है ।

(घ) उठाये गये कदमों में निम्नलिखित कदम शामिल हैं:-

(1) प्रदूषक उद्योगों का प्रमुख श्रेणियों के लिये बहिस्राव और उत्सर्जन मानक अधिसूचित किये गये हैं ।

(2) उद्योगों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक प्रदूषण नियंत्रण उपकरण लगाने के निर्देश दिये गये हैं तथा चूककर्ताओं के खिलाफ कानूनी कारवाई की जाती है ।

(3) वाहनों से प्रदूषण के नियंत्रण के लिये केन्द्रीय मोटर वाहन नियमावली, 1989 के तहत पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहनों हेतु उत्सर्जन मानक अधिसूचित किए गए हैं ।

(4) केन्द्रीय मोटर वाहन नियमावली के तहत वाहन उत्सर्जन हेतु अधिक सख्त मानक अधिसूचित किये गये हैं जो अप्रैल, 1996 से प्रभावी होंगे ।

(5) आटोमोबाइल विनिर्माताओं से कहा गया है कि वे अपनी प्रौद्योगिकी का विकास और उसमें सुधार करें ताकि वाहनों के उत्सर्जनों के लिए सख्त मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके ।

(6) प्रदूषण के निवारण और नियंत्रण हेतु कई जनजागरूकता अभियान चलाये गये हैं ।

(ङ) किसी भी महानगर में प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में कोई व्यापक महानगरीय अध्ययन नहीं किए गए हैं । तथापि, महानगरों के कम आय वाले, गन्दी जगहों में भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में नासिका सम्बंधी बीमारी श्वसनी-शोथ जैसी श्वसन तंत्रो बीमारियां अधिक देखी गई है । ऐसी स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों और प्रदूषण के बीच निर्णायक रूप में कोई संबंध प्रमाणित नहीं किया जा सका है ।

'Percentage of forest cover in Andhra Pradesh'

2786. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) what is the percentage of forest cover in Andhra Pradesh;

(b) what is the desired percentage;

(c) whether it is as per schedule; and

(d) what steps are taken to reach the recommended scale with details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) to (c) As per the State of Forest Report 1991 the percentage of forest cover in Andhra Pradesh is 17.2% and the percentage of recorded forest area is 23.3 per cent. The National Forest Policy 1988 stipulates that a minimum of one third of the country's land area should be under forest or tree cover.

(d) Andhra Pradesh is implement a number of afforestation programmes in order to protect and increase its forest cover. These include schemes for social and farm forestry, reforestation of degraded forests, forest conservation and development, Shelter belt plantation, Raising of Timber plantations, Mechanised plantations, Fuel and Fodder Project etc. A comprehensive forestry project is being taken up with World Bank Assistance. This Project will aid in conserving and enlarging the efforts taken up with CIDA assistance between 1985—90 and continued under the State Plan Scheme of afforestation during 1990-93. The Project cost is Rs. 354 crore and an area of 3.03 lakh hac. is proposed to be covered during the project period 1994-99.

"Mixing lead with petrol"

2787. SHRI SOM PAL:

SHRI SARADA MOHANTY:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that many of the developed countries have stopped mixing lead with petrol as it is a big pollutant and health hazard;

(b) whether it is also a fact that India still has a high lead content in petrol;

(c) if so, what is the present lead content in India how does it compare with the developed countries like U.S.A., U.K. Germany and Japan; and

(d) what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The average lead content in petrol in our country is 0.18 grams per litre. Countries like Germany and Japan are using unleaded petrol, whereas countries like U.S.A. and U.K. are using both unleaded and leaded (with a lead content of 0.15 grams per litre or less) petrol.

(d) Lead is added to increase the octane value of petrol which allows the engines to operate smoothly. The Government has drawn up a plan to reduce the lead content in petrol in a phased manner, in the various oil refineries currently producing petrol with high lead content.

विषैले जल का प्रयोग

2788. **श्री शारदा महन्ती** : क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 27 फरवरी, 1994 के "इंडियन एक्सप्रैस में "आर्सेनिक-टिन्ज्ड वाटर ईटस इनटू वैस्ट बेंगाल्स वाइटल्स" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो उस अध्ययन पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है जिस पर उक्त रिपोर्ट आधारित है ; और

(ग) सरकार पीने और सिचाई के लिए उपयोग में लाए जाने वाले जल स्रोतों और भूमिगत जल के विषाक्त प्रदूषण के लिए जिम्मेदार इन कारणों को दूर करने के लिए क्या-क्या कदम उठा रही है ?